

चचेरी भाभी का खूबसूरत भोसड़ा -8

“भाभी मेरे ऊपर बैठ कर चुदवा रही थी, बल्कि मुझे चोद रही थी। साथ ही हम दोनों बातें भी कर रहे थे। मैं भाभी की चूत की तारीफ़ करते हुए उनकी गान्ड में उंगली करने लगा तो... ..”

Story By: जीतू मेहसाना (JituMahesana)

Posted: Monday, February 29th, 2016

Categories: [भाभी की चुदाई](#)

Online version: [चचेरी भाभी का खूबसूरत भोसड़ा -8](#)

चचेरी भाभी का खूबसूरत भोसड़ा -8

अब तक आपने पढ़ा..

मैंने भाभी से कहा- उस दिन तो आप कह रही थीं कि मैंने तो इसका भोसड़ा बना दिया है और आज आप चूत कह रही हो ?
तो उन्होंने कहा- हाँ.. वही भोसड़ा..

दोस्तो, औरत के मुँह से ये शब्द सुनने का मजा ही कुछ और होता है.. मैं अन्तर्वासना की कहानी में अक्सर पढ़ता हूँ कि कैसे औरत खुले तौर पर गालियाँ देती है.. लेकिन मुझे तो अपनी भाभी से भोसड़ा बुलवाने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ी..

खैर.. मुझे इस बात का रत्ती भर भी रंज नहीं.. क्योंकि मेरी भाभी बड़ी ही प्यारी और सीधी किस्म की औरत हैं लेकिन वो तो मेरी प्यार भरी चुदाई का ही असर है कि वो मेरे साथ सब कुछ भूल जाती हैं और चुदाई के लिए तैयार हो जाती हैं।

ये बात भी मुझे उन्होंने ही बताई थी। मेरी उनके साथ चुदाई में सिर्फ वासना ही नहीं थी.. हम दोनों में भरपूर प्यार भी था।

अब आगे..

मैंने भाभी से कहा- भाभी आपकी चूत अभी भी चूत ही है.. ये भोसड़ा नहीं है.. आपकी चूत में अभी भी कमसिन लड़कियों का ही कसाव है.. वाक्यी में आपकी चूत बहुत मस्त है..

टेस्ट.. खुशबू.. खूबसूरती.. चुदाई.. हर बात में ये कमसिन चूत का मजा देती है..

तो भाभी खुश हो गईं और बोलीं- सब आपकी कृपा है मेरे देवर जी..

मैंने भी प्यार से उन्हें चूमते हुए कहा- अभी आप देखिए आगे-आगे.. मैं आपकी चूत को क्या बनाता हूँ।

मेरी इस बात पर खुश हो कर भाभी भी थोड़ा मूड में आई और फिर और एक जोर का धक्का मेरे लंड पर लगाया और बोलीं- आपका भी ये कुछ कम नहीं है.. ये भी बड़ा शैतान है.. जल्दी थकता ही नहीं है और कभी भी और कहीं भी घुसने को तैयार रहता है.. मैंने कहा- सब आपकी संगत का असर है.. पता नहीं पर यह आपको देखते ही फनफनाने लगता है और अपने आप ही आपकी चूत की तरफ खिंचा चला आता है.. वो मस्त हो उठीं।

मैंने फिर से उन्हें कहा- लेकिन आपने अभी भी इसका नाम तो नहीं बताया.. तो वो बड़े प्यार से बोलीं- आपका प्यारा लंड.. और क्या.. मैंने भाभी से कहा- आपसे मुँह से ये शब्द सुनकर बड़ा ही अच्छा लगता है। लेकिन भाभी ने कहा- मुझे शर्म आती है..

मैं भी उनकी ये बात सुनकर सोचने लगा कि यार ये औरतें भी कमाल की होती हैं.. चूत में पूरा लंड निगल जाती है.. टाँगें उठा-उठा कर चुदवाती और चटवाती हैं और मुँह से बोलने में भी शर्म आती है।

लेकिन जो भी हो दोस्तो.. घरेलू औरतें ऐसी ही होती हैं उनको प्यार से चोदने का मजा कुछ और ही होता है।

मुझे भाभी के मुँह से भोसड़ा और लंड जैसे शब्द सुनकर मजा आया।

अब तक भाभी मुझे हौले-हौले से चोदे जा रही थीं और मैं नीचे पड़ा हुआ उनकी गर्म चूत का मजा ले रहा था.. लेकिन भाभी भी अब थोड़ा जोश में आने लगी थीं.. वो अब थोड़ा जल्दी धक्के लगा रही थीं और हर वक्त पूरा लंड अपनी चूत में निगलने की कोशिश कर रही थीं।

दोस्तो.. हम तो ये काम जल्दी खत्म करना चाहते थे.. लेकिन चुदाई का खुमार चढ़ते ही हम वक्त को भूल गए और करीब दस मिनट से हम हौले-हौले मजे ले रहे थे।

अब तक भाभी अपनी टाँगें सीधी रख कर मुझे चोद रही थीं.. तो पूरा लंड निगलने में उन्हें थोड़ी दिक्कत हो रही थी.. तो उन्होंने अपना पोज बदला और अपने घुटने हौले से मोड़ लिए और मुझ पर जैसे अपने घुटनों के बल बैठ गईं ।

पर जैसे ही भाभी ने इस आसन में पहला शॉट लगाना चाहा.. मेरा लंड उनकी चूत में से निकल गया.. जिसे उन्होंने चूत को थोड़ा एडजस्ट करके फिर से अपने अन्दर ले लिया.. मैं उनकी इस काबिलियत पर थोड़ा हैरान रह गया और जैसे वो मुझे चोद रही थीं उससे लगता था कि जैसे इस तरह चुदाई करने का उनको अच्छा अनुभव है ।

मैंने भाभी से पूछ ही लिया.. मैंने उनके कान में कहा- भाभी आप बड़ी अच्छी चुदाई करती हो ? जैसे आपने मेरा निकला हुआ लंड अपनी चूत में फटाक से अपनी चूत में वापस डाल दिया.. उसे देखकर तो लगता है कि आपको इस आसन का अच्छा अनुभव है ।

भाभी ने कहा- हाँ देवर जी, आपके भैया कभी-कभी ऐसे चुदवाते हैं.. उन्हें यह आसन अच्छा लगता है ।

मैंने कहा- आप इस आसन में बड़ी अच्छी चुदाई करती हो.. तभी भैया आपसे इस आसन में चुदवाते हैं ।

फिर मैंने भाभी से कहा- और यह तो बताइए आपको कौन सा आसन सबसे ज्यादा पसंद है ?

तो भाभी ने कहा- मुझे तो नीचे लेटे हुए चुदवाने में ही ज्यादा मजा आता है..

मैंने पूछा- वो क्यों..

भाभी ने कहा- उसमें पूरा लंड चूत में उतर जाता है और थकान भी कम होती है..

मैंने कहा- वो बात तो आपकी सही है.. उसमें तो सारी मेहनत हमको ही जो करनी पड़ती है.. आपको तो सिर्फ लेटे हुए मजे ही लेने होते हैं ।

तो वो बोलीं- आपको मजा नहीं आता क्या.. आप भी तो उछल-उछल के पूरा लंड घुसा

देते हो।

मैंने कहा- आपकी बात सही है.. इस आसन में मुझे मजा तो ज्यादा ही आता है.. चूत का कसाव ज्यादा जो महसूस होता है.. लेकिन इसमें जल्दी झड़ जाते हैं.. आप भी थोड़ा रुकिए.. वरना खेल खत्म हो जाएगा..

यह कहते हुए मैंने उनकी गाण्ड पकड़ कर दबा दी.. ताकि वो और धक्के न लगाएँ वरना मैं झड़ जाता।

तभी भाभी ने कहा- आपकी बात सही है देवर जी.. आपके भैया भी इस आसन में चुदाई तो करवाते हैं लेकिन वो एक-दो मिनट में ही शहीद हो जाते हैं और मुझे प्यासा ही छोड़ देते हैं।

मैंने कहा- भाभी इसमें भैया का दोष नहीं है.. ये आसन है ही ऐसा.. और ऊपर से आपकी ये टाईट चूत.. लगता है जैसे किसी कमसिन लड़की को चोद रहे हैं.. इसके सामने कोई कितना टिक सकता है।

भाभी ने कहा- पता नहीं.. आपने इसके साथ ऐसा क्या किया है.. लेकिन मुझे भी ये अब बहुत टाईट हो गई लगती है.. ऐसा महसूस होता है.. शायद ये आपकी चुदाई का ही असर है। पर मैंने तो सुना था कि ज्यादा चुदाई से चूत ढीली हो जाती है लेकिन ये तो उल्टा ही असर हो रहा है।

मैंने कहा- यह मेरी चुदाई का नहीं चटाई का असर है.. आप याद कीजिए मैंने अभी-अभी ही खड़े-खड़े आपकी चूत कैसे चाटी थी।

भाभी ने कहा- सच में देवर जी, उसमें तो आपका जवाब नहीं..

मैंने कहा- आपकी चूत है ही ऐसी कि मैं इसे चाटे बिना नहीं रह सकता।

दोस्तो, मेरी भी आप सभी को एक सलाह है.. अगर आपके साथी की चूत आपको ढीली लग रही हो तो एक बार इसे जी भर के चाटें.. फिर देखिए कमाल।

मैंने भाभी से कहा- लेकिन एक बात तो है कि आपके साथ इस आसन में कोई ज्यादा नहीं टिक सकता.. वो भी पहली बार में.. अगर दूसरा राउंड हो तो बात अलग है।
यह सुनकर भाभी ने कहा- दूसरे राउंड की तो बात ही छोड़ो.. उन्होंने शादी के पहले 2-3 महीनों को छोड़ कर कभी चुदाई का दूसरा राउंड नहीं खेला।

मैंने भाभी से पूछ ही लिया- भाभी, भैया आपको कितना चोदते हैं ?
तो वो बोलीं- मुश्किल से हफ्ते में एक बार..
मैंने कहा- बस.. इतनी प्यारी बीवी होते हुए भी हफ्ते में सिर्फ एक बार ?
‘हूँ..’ उनकी उदास सी आवाज आई।

मैंने कहा- उनकी जगह मैं होता तो एक भी रात न जाया करता और पूरी रात आपकी चूत से लंड न निकालता..
इस पर वो बोलीं- वो मौका भी आएगा.. सब्र कीजिए.. सब्र का फल मीठा होता है।

दोस्तो, बातें करते हुए अब भाभी धक्के नहीं लगा रही थीं.. सिर्फ मुझ पर बैठी हुई थीं और मैं उनके मस्त कूल्हे सहला रहा था। इस दौरान मैं उनकी गाण्ड का छेद भी टटोल रहा था..
क्या मस्त छेद है मेरी भाभी का.. हल्का काला और एकदम कसा हुआ..
मैंने भी थोड़ी चालाकी करते हुए उंगली का अगला हिस्सा उनकी गाण्ड में हौले से घुसा दिया..

जिस पर उन्होंने ‘उंह..’ किया और अपनी गाण्ड थोड़ी ऊपर करके मेरी इस हरकत पर एतराज जताया लेकिन उन्होंने कुछ कहा नहीं.. सो मैं भी थोड़ी देर रुक गया और दूसरे हाथ से उनकी पीठ को सहलाने लगा।

मैंने भाभी से पूछा- हफ्ते में सिर्फ एक बार चुदाई आपको चल जाती थी ?
तो वो बोलीं- सच बताऊँ तो थोड़ी कमी महसूस होती थी.. लेकिन चुदाई में मेरी पहले इतनी रूचि नहीं थी.. वो तो आपके मिलने के बाद ही जागी। न जाने आपने क्या जादू कर

दिया कि सब कुछ भूलकर आपके पास चुदवाने आ गई।

मैं बातें करते हुए अपनी उंगली से उनकी गाण्ड टटोल रहा था, मैं अपनी उंगली का अगला हिस्सा गाण्ड में घुमा रहा था..

तभी भाभी ने मुझसे पूछा- आप यह मेरी गाण्ड के पीछे क्यों पड़े हो.. क्या मेरी चूत से ज्यादा गाण्ड आपको अच्छी लगती है ?

मैंने कहा- नहीं भाभी.. आपकी चूत का तो जवाब ही नहीं.. पर आपकी गाण्ड भी कुछ कम नहीं है और इसमें जो कसाव है वो मुझे इसकी तरफ खींचता है..

तभी भाभी ने कहा- वो जो भी हो.. लेकिन ये आपको कभी नहीं मिलेगी..

मैंने कहा- ठीक है.. जो मेरी प्यारी भाभी को पसंद न हो.. वैसी कोई भी चीज मैं नहीं करूँगा..

मेरी इस बात से वो खुश हो गई और मुझे चूमने लगीं।

तभी भाभी ने कहा- अब जल्दी अपना काम खत्म करो.. वरना कोई जग गया तो लेने के देने पड़ जायेंगे और मैं तो सिर्फ 5 मिनट के लिए ही आई थी.. तुमने तो पूरे 20 मिनट ले लिए।

मैंने कहा- खत्म तो आपको करना है.. आज तो आप मुझे चोद रही हैं.. मैं आपको नहीं..

मेरी इस बात से उनको अपनी पोजीशन का अहसास हुआ और वे अपनी गाण्ड उकका-उचका कर मुझे चोदने लगीं।

मैंने भी उनकी गाण्ड से अपनी उंगली निकाल ली और उनके चूतड़ पकड़ कर अपने ऊपर दबाने लगा।

भाभी भी अब शायद झड़ने लगी थीं क्योंकि बीच-बीच में वो जोर-जोर से धक्का लगाती

थीं और पूरा लंड निगल लेती थीं और अकड़ जाती थीं और फिर थोड़ी देर के लिए रुक जाती थीं ।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

मुझे भी उनकी इस हरकत से उत्तेजना होने लगी थी और कुछ देर तक रुकने के बाद मैंने भी उनके चूतड़ों को जोर से अपने ऊपर दबा लिया और अपनी गाण्ड ऊँची करके जितना हो सकता था.. उतना लंड घुसा दिया और जोर से झड़ने लगा ।

भाभी भी अब समझ गई थीं कि मैं झड़ रहा हूँ और उन्होंने भी धक्के लगाने बंद कर दिए । मैं जी भर कर दो मिनट तक झड़ता रहा ।

भाभी की इस प्यार भरी चुदाई के बाद मैं एकदम हल्का महसूस कर रहा था.. कुछ देर तक हम ऐसे ही पड़े रहे और एक-दूसरे को प्यार करते रहे ।

कुछ देर बाद भाभी ने धीरे से कहा- हो गया मेरे प्यारे देवर जी ?

मैंने कहा- हाँ मेरी प्यारी भाभी.. मैं आपके इस एहसान का बदला कैसे चुकाऊंगा भाभी ?

इस पर भाभी ने कहा- एहसान नहीं मेरे बुद्धू देवर जी.. इसे प्यार कहते हैं..

मुझे हमेशा से ही उनका बुद्धू कहना और मेरे गाल पर चिमटा भरना बहुत पसंद है ।

मैंने कहा- सॉरी भाभी.. प्यार..

भाभी ने कहा- और प्यार का बदला प्यार से ही चुकाया जाता है.. आप अब पूरी रात मुझे प्यार करके मेरे एहसान का बदला चुका देना..

मैंने कहा- जो आपकी आज्ञा.. मैं उस मौके का बड़ी बेसब्री से इंतजार करूँगा ।

इतना कहकर भाभी धीरे से उठीं और हौले से मेरा लण्ड.. जोकि मेरे वीर्य और उनकी चूत रस से सना हुआ था.. उसे बाहर निकाला और उठ कर अपना गाउन ठीक किया और गाउन के ऊपर से ही अपनी ब्रा ठीक की ।

उसके बाद उन्होंने तकिए पर रखी हुई अपनी पैन्टी उठाई.. तो मैंने उनका हाथ पकड़ लिया और कहा- भाभी प्लीज़ इसे छोड़ दीजिए..
तो भाभी ने कहा- अभी भी आपको ये चाहिए ?
मैंने कहा- मुझे इसकी खुशबू हर वक्त चाहिए..

मेरी इस बात पर वो मुस्काई और कहा- आप सच में पागल हो ।
कहते हुए उन्होंने अपनी पैन्टी खींच ली और उसे पहनने लगीं और कहा- कल नई और ताज़ा दूँगी..
तो मैं उठा और कहा- जाते हुए एक बार इसकी खुशबू ले लेने दीजिए ।

और ये कहते हुए मैं दोबारा उनके गाउन में घुस गया और पैन्टी को नीचे करके नाक उनकी चूत में घुसा दिया और एक गहरी साँस ली.. जिससे उनकी चूत की खुशबू मेरे वीर्य की खुशबू के साथ मिली हुई मेरे नथुनों में भर गई..

फिर मैंने उनको उनकी पैन्टी पहना दी और उनके गाउन से बाहर निकल गया और उनको बाँहों में भरके एक चुम्मा ले लिया और उनसे कहा- गुड नाईट ।

भाभी ने भी मेरे गाल को चूमा और कहा- गुड नाईट मेरे प्यारे बुद्धू देवर जी ।

तो दोस्तो.. यह थी मेरी भाभी के साथ प्यारी चुदाई और अब आप सबकी तरह मैं भी उनकी पूरी रात की चुदाई का इंतजार कर रहा हूँ ।

दोस्तो, हो सके.. तो कोई मुझे ये बताए कि मैं अपनी भाभी को गाण्ड मारने के लिए कैसे राजी करूँ ।

mahesanaboy@gmail.com

